शूकर ज्वर

रोकथाम एवं नियंत्रण

(समानार्थी : स्वाईन फीवर, शूकर महामारी)

पवन कुमार, विशाल चन्द्र
चन्दन प्रकाश, राज बी. बिन्द, अभिषेक

संयुक्त निदेशालय, प्रसार शिक्षा
भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान
इज्जतनगर – 243 122, उ.प्र.

शूकर ज्वर

शूकर ज्वर एक अत्यन्त घातक एवं संक्रामक विषाणु जनित रोग है, जिसमें अधिकांश शूकरों में तीव्र ज्वर, हंफनी तथा त्वचा, सीरमी झिल्ली, लसिका ग्रंथियों, वृक्कों, तिल्ली आदि में रक्तस्राव होता है।

अतिसंवेदनशील पशुः घरेलू और जंगली सूअर प्राकृतिक रूप से शूकर ज्वर के लिए संवेदनशील हैं।

प्रसारणः

- संक्रमित सूअरों के साथ सीधे संपर्क से या संक्रमित सूअरों से बने उत्पादों को खाने के माध्यम से प्रेषित होता है।
- संक्रमित सूअरों का एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना, रोग प्रसार का सबसे महत्वपूर्ण तरीका है।
- कुछ जानवर रोग निवारण के बाद भी विषाणु फैलाते रहते हैं, जबकि कुछ नैदानिक लक्षण दिखाने से पहले विषाणु फैलाते हैं।
- दूषित उपकरणों, ट्रकों, कपड़ों और जूतों, पशु चिकित्सकों आदि के माध्यम से भी रोग फैलता है।
- संक्रमित सूअर से यौन संचरण और कृत्रिम गर्भाधान से भी प्रसारण का खतरा रहता है।

नैदानिक लक्षण :

- शूकर ज्वर के नैदानिक लक्षण बहुत ही परिवर्तनीय है जोकि अति तीव्र से चिरकालिक हो सकते हैं।
- अति तीव्र : इसमें सूअर सुस्त हो जाता है तथा 24-48 घण्टों के भीतर मर जाता है। इसमें मृत्युदर 100 प्रतिशत तक पहुंच सकती है।

- तीव्र : इसमें अति तीव्र ज्वर (41°C) कान लटकाना, भूख न लगना, चाल में लडखडाहट, उलटी, कब्ज, गर्भपात आदि लक्षण देखे गये हैं। त्वचा रक्ताधिक्य के कारण प्रारम्भ में लाल रंग की और बाद में बैंगनी रंग जैसी हो जाती है। युवा सूकरों में मृत्युदर 100 प्रतिशत तक पहुंच सकती है।

- कम तीव्र : इसमें नैदानिक लक्षण कम तीव्र होते हैं तथा बुखार भी अस्थिर रहता है। मृत्युदर कम होती है।
- चिरकालिक : तीव्र प्रकार के रोग से बच जाने वाले पशु चिरकालिक रोग से ग्रस्त रहते हैं। इसमें बुखार, दस्त, खांसी और मुश्किल श्वास, त्वचा रक्ताधिक्य, गर्भपात तथा मृत्यु द्वितीयक संक्रामक रोगों के कारण हो सकती है।
- जन्मजात रोग : इसमें सूअरों में जन्मजात कंपन, कमजोरी, चीखना, कम विकासदर तथा विषाणुओं का खून में पाया जाना, विशेष लक्षण है।

निदान :

- शूकर ज्वर का अस्थायी निदान, विशिष्ट लक्षणों, क्षतियों तथा अत्यधिक मृत्युदर देखने पर, लगाया जा सकता है।
- निश्चयात्मक निदान के लिए शूकर ज्वर विषाणु को पहचानना जरूरी है, जिसके लिए फ्लोरसैंट एन्टीबाड़ी परीक्षण, ऊतक सम्वर्धन, सीरम न्यूट्रलाइजेशन परीक्षण तथा आरटी पीसीआर परीक्षण किये जाते हैं।
- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए ओआईई द्वारा निर्धारित सीरम विज्ञानी नैदानिक परीक्षण फ्लोरोसेन्ट एन्टीबॉडी निराकरण परीक्षण, निराकरित परऑक्सिडेज से जुड़े परीक्षण और एलिसा शामिल है।

रोकथाम और नियत्रण :

- शूकर ज्वर हो जाने पर इसका कोई इलाज नहीं है तथा संक्रमित सूअरों का बध करने के बाद दफन या जला देना चाहिए तथा प्रभावित क्षेत्र पूर्णतः साफ किया जाता है।
- भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान द्वारा निर्मित लेपिनाइजड शूकर ज्वर टीका, इस बिमारी से सूकरों को बचाता है।
- शूकर ज्वर के बचाव हेतु स्वस्थ पशुओं को टीका लगवाना तथा स्वच्छता रखनी चाहिए।
- झुंड में प्रवेश से पहले नये शूकरों को अलग रखना चाहिए।
- शूकरों को खिलाया जाने वाला अपशिष्ट भोजन ठीक से रोगजनक सूक्ष्म जीवों से मुक्त करना चाहिए।

- घरेलू सूअरों को जंगली सूअरों के साथ संपर्क में नहीं आने देना चाहिए।

शूकर ज्वर फैलने पर क्या करना चाहिए ?

- शूकर शेड में जितने भी सूअर हो, दोनो संक्रमित तथा स्वस्थ, का वधकर उनका सुरक्षित नियहान जलाकर या दफ़नाकर कर देना चाहिए।
- शूकर शेड का पूरी तरह से किटाणुरोधन करना चाहिए।
- प्रभावित क्षेत्र से शूकरों का बाहर जाना रोक देना चाहिए।
- विस्तृत महामारी विज्ञानी अध्ययन करना चाहिए ताकि संक्रमण के प्रभावी प्रसार का अंदाजा लगाया जा सके।
- आसपास के क्षेत्रों में संक्रमण फैलने से बचाने के लिए संक्रमित क्षेत्रों में शूकरों की निगरानी करना जरूरी है।

लेखक : डा. पवन कुमार, वैज्ञानिक, विकृति विज्ञान
डा. विशाल चन्द्र, वैज्ञानिक, कैडरेड
डा. चन्दन प्रकाश, वैज्ञानिक, कैडरेड
डा. राज बी. बिन्द, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, विकृति विज्ञान
डा. अभिषेक, वैज्ञानिक, जीवाणु एवं कवक विज्ञान

संरक्षण एवं निर्देशनः डा. त्रिवेणी दत्त
संयुक्त निदेशक, प्रसार शिक्षा,
भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान,
इज्जतनगर - 243 122, उ.प्र.

संपादनः डा. (श्रीमती) रूपसी तिवारी
वरिष्ठ वैज्ञानिक, संयुक्त निदेशालय, प्रसार शिक्षा
डा. बी.पी. सिंह
वरिष्ठ वैज्ञानिक, संयुक्त निदेशालय, प्रसार शिक्षा

प्रकाशनः डा. राजकुमार सिंह
निदेशक, भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान,
इज्जतनगर-243 122, उ.प्र.

army printing press
www.armyprintingpress.com
Lucknow (0522) 6565333